

कार्ल लीनियस (लैटिन Carolus Linnaeus)

या कार्ल वॉन लिने (23 May 1707 - 10 Jan 1779)

- 9 एक स्वीडिश वनस्पति शास्त्री एवं चिकित्सक और जीव विज्ञानी थे जिन्होंने द्विपद नामकरण की आधुनिक व्यवस्था की नींव रखी थी।
- 10 उन्हें आधुनिक वर्गीकरण के पिता के रूप में जाना जाता है साथ ही यह आधुनिक चारिस्थितिकी के प्रस्तावों में से भी एक है।

Taxonomy

1. The scientific process of arranging things in to groups.

वस्तुओं का वर्गीकरण करने की वैज्ञानिक प्रक्रिया: वर्गीकरण - विज्ञान, वर्गिकी -

2. One particular system of groups that things have been arranged in

वस्तुओं के वर्गीकरण की कोई एक विशिष्ट प्रणाली, कोई एक विशिष्ट वस्तु वर्ग - व्यवस्था

"जीव जन्तुओं एवं पौधों को उनकी समानता एवं अंतरता के आधार पर विभिन्न समुदायों एवं वर्गों में रखने की विधि को वर्गीकरण कहते हैं तथा विज्ञान को कहते हैं। जितने समूहों का वर्गीकरण किया"

जाता है (वर्गिकी Taxonomy) कहते हैं।

वर्गीकरण विज्ञान शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम कैरोलस लिनियस ने अपनी पुस्तक "Systema Naturae" में किया था इसलिए कैरोलस लिनियस को वर्गिकी का जनक Father of Taxonomy कहते हैं।

① वर्गिकी (Taxon) - जीवों के समूह को वर्गिक कहते हैं।
जिसमें कृता, तिल्ली, न्यातल गेहूँ, मीठी, जम्बू, जिनकी उपयोग वर्गीकरण में किया जाता है।

वर्गिकी संवर्ग (Category) - वर्गीकरण में

प्रयुक्त विभिन्न स्तरों को संवर्ग का वर्गीकरण की इकाई कहते हैं। संवर्ग क्रमशः प्रकल्पना में विभक्त होते हैं। वर्गीकरण का सर्वोच्च स्तर संवर्ग जाता होता है इसके बड़े क्रम में अलग-अलग वर्ग संघ द्वारा बनाये गये हैं।

वर्गीकरण के पद -

- ① जाति Species
- ② वर्ग Genus
- ③ कुल Family
- ④ गण Order
- ⑤ वर्ग Class
- ⑥ संघ Phylum
- ⑦ राज्या (Kingdom)

आधिगम एक परिणाम (Learning As a Result)

आधिगम भूषण क्षमता के परिवर्तन प्रक्रिया की ओर (Learning is the change of behaviour towards maturity)

शिक्षा क्यों कि, एक मानवीय विषय है इसलिए इसमें आधिगम के परिणामों को व्यवस्थित परिवर्तनों के रूप में पूर्व नियोजित कर लिया जाता है, जिसका विस्तार पूर्वक वर्णन बल्लम ने निम्न प्रकार से किया है -

शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण

Taxonomy of Educational Objectives

अंग्रेजी के Taxonomy शब्द का अर्थ होता है Classification अर्थात् वर्गीकरण। जब इसका उपयोग शिक्षा के क्षेत्र में किया जाता है तो इसका तात्पर्य शैक्षिक उद्देश्यों के एक व्यवस्थित

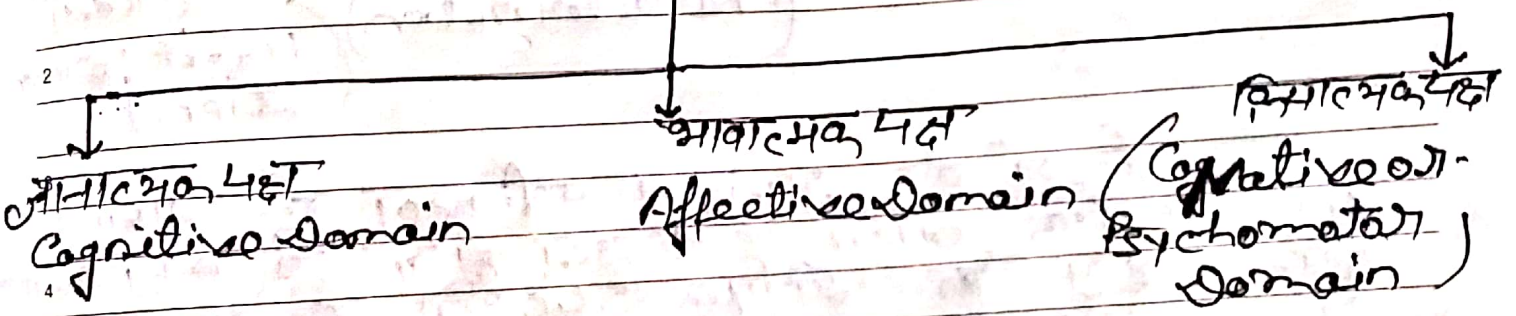
क्रम Systematic Classification of Educational Objectives के होता है। इन प्रकार का व्यवस्थित वर्गीकरण शिक्षा से सम्बन्धित प्रत्येक प्रकार के व्यक्ति के लिए अयोग्य होता है। यह 'Taxonomy' विभाजित तीन प्रकार के सिद्धांतों पर आधारित होती है।

- ① शैक्षिक सिद्धांत
- ② लार्किंग सिद्धांत
- ③ बर्नोपैज्ञानिक सिद्धांत

Appointments

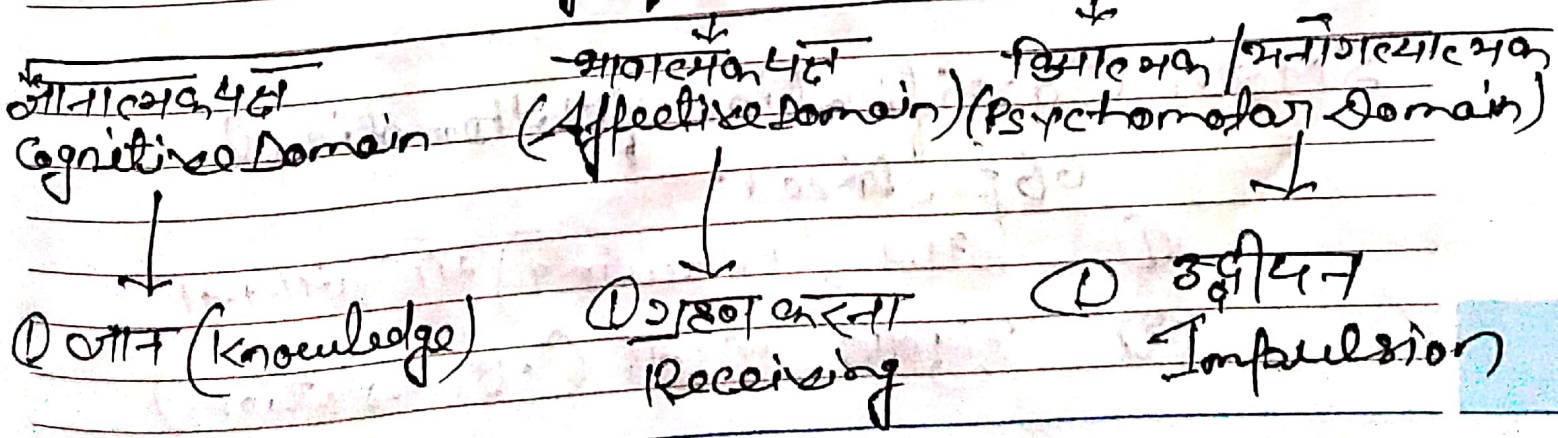
इस क्षेत्र में सर्वप्रथम महत्वपूर्ण काम लैजामिन ब्लॉम (Bloom) ने किया था। बाद में आरंभक रॉबर्ट मैगार (Magar) और फ्रैंकवाल्ड (Frankwald) रॉबर्ट एन. डी. ग्रीनलैंड (N.E. Greenland) तथा लीनोर्नी-मैसिया (L. B. Masia) आदि ने भी इस क्षेत्र में काम किया। इनमें सर्वाधिक प्रचलित ब्लॉम का वर्गीकरण है। ब्लॉम ने शैक्षिक उद्देश्यों को तीन प्रमुख भागों में विभाजित किया।

ब्लॉम के शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण Bloom's Classification of Objectives



चार्ट में ब्लॉम द्वारा दिये गये उद्देश्यों का क्रमबद्ध वर्गीकरण प्रस्तुत किया जा रहा है -

शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण Taxonomy of Educational Objectives



- 1. ① बोध (Comprehension) ② अनुबोध (Responding) ③ कार्य करना (Manipulation)
- 2. ④ प्रयोग (Application) ⑤ अनुभूतन (valuing) ⑥ नियंत्रण (Control)
- 3. ⑦ विश्लेषण (Analysis) ⑧ विचारना (Conceptualization) ⑨ समन्वय (Coordination)
- 4. ⑩ संश्लेषण (Synthesis) ⑪ संयोजन (Organization) ⑫ स्वाभाविकरण (Naturalization)
- 5. ⑬ मूल्यांकन (Evaluation) ⑭ चरित्र-निर्माण (Characterization) ⑮ आदर (Habit formation)

3. बोद्धम के अत्युत्कृष्ट कार्यकरण के आधार पर अनेक लोगों ने इस क्षेत्र में कार्य किया और क्लेम के शैक्षिक उपदेशों के कठिन में संशोधन प्रस्तावित किया। इन संशोधनों में शामिल के क्षेत्र में SMSU (School-
 4. Classification of Mathematical objectives
 5. Study group द्वारा किया गया कार्यकरण काफी अच्छा पाया गया है। इस कार्यकरण में निम्नांकित कार्य हैं -

SMSU Classification of Mathematical Objectives

- ① ज्ञान (knowing) या जानना
- ② अनुवाद करना (translation)

Appointments

- 3. कार्य करना (Manipulating)
- 4. चयन करना (Choosing)
- 5. विश्लेषण करना (Analysing)
- 6. संश्लेषण करना (Synthesising)
- 7. मूल्यांकन करना (Evaluating)

Service - मैं भी Bloom के वर्गीकरण के आधार पर एक नया वर्गीकरण प्रस्तुत किया जिसमें सभी उद्देश्यों को तीन स्तर पर रखा गया।

- 1. The Conceptual Level.
- 2. Manifestational Level.
- 3. Operational Level.

Service - इनमें से प्रथम दो स्तर के बारे में काफी विस्तृत रूप से विवेचन किया है।

कठम का ज्ञानात्मक क्षेत्र -

Cognitive domain of Bloom.

ज्ञानात्मक क्षेत्र में कठम ने उद्देश्यों को ज्ञान बोध, प्रयोग, विश्लेषण, संश्लेषण तथा मूल्यांकन की क्रियाओं में विभाजित किया है -